अग्रवाल महाविद्यालय में गणतंत्र दिवस समारोह

अग्रवाल महाविद्यालय के प्रांगण में 26 जनवरी, 2016 को 67वाँ गणतंत्र दिवस मनाया गया. इस सुअवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में अग्रवाल प्रबन्ध समिति के प्रधान व अग्रवाल विद्या प्रचारिणी सभा के चेयरमैन श्री देवेन्द्र कुमार गुप्ता जी उपस्थित थे. साथ ही महाविद्यालय प्राचार्य डॉ0 कृष्णकान्त गुप्ता एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में लाला श्री रतन सिंह गुप्ता जी, प्रबन्ध समिति के गणमान्य सदस्य एवं महाविद्यालय के समस्त प्रवक्तागण, शिक्षाणेत्तर कर्मचारी, एन.एस.एस. एवं वाई.आर.सी.सी. के स्वयंसेवक एवं सेविकाएँ उपस्थित थे. महाविद्यालय की एन.एस.एस. की तीनों इकाइयों के अधिकारी श्री रविन्द्र जैन (इकाई प्रथम), श्रीमती रितु (इकाई द्वितीय), और श्रीमती रेखा सेन (इकाई तृतीय), वाई. आर.सी.सी. के तीनों संभागों के अधिकारी (डॉ0 जयपाल सिंह, डॉ0 उषा चौधरी एवं डॉ0 विनोद राठी) एवं एन.सी.सी. ऑफिसर डॉ0 योगेश गोयल के सहयोग से यह कार्यक्रम सम्पन्न हुआ. ध्वजारोहण के पश्चात महाविद्यालय की संगीत विभाग की प्रवक्ता श्रीमती नीलम के मार्गदर्शन में विद्यार्थियों के द्वारा देश भक्ति गीतों के कार्यक्रम प्रस्तुत किये गए. सर्वप्रथम माँ भारती की शान मे राष्ट्र भावना को समर्पित "वन्देमातरम" गीत गया. शहीदों की शाहदत को स्मरण करते हुए छात्र मनीष (मेरा रंग दे बसन्ती चोला) गीत

गाकर सबको मन्त्र मुग्ध कर दिया. कु0 प्रियंका (बी.कॉम.) ने प्रधानमन्त्री श्री नरेद्र मोदी द्वारा लिखित कविता "मैं देश नही झुकने दूंगा" कविता का पाठ किया और कु0 पूजा जोशी ने जन चेतना को जागृत करने हेतु कर्तव्य और अधिकार विषय पर अपने विचार प्रस्तुत किये. महाविद्यालय प्राचार्य डॉ0 कृष्णकान्त गुप्ता ने अपने उदबोधन में सभी आगन्तुक अतिथियों का स्वागत किया और गणतंत्र दिवस की महता को व्यक्त करते हुए कहा कि हमें इस दिन को उन लोगो के लिए समर्पित करना चाहिए जिन्होंने आज़ादी की लड़ाई और आज़ादी को बरकरार रखने के लिए अपनी प्राणों की आहुति दे दी. उन्होंने बताया आज के दिन को हम संकल्प दिवस, प्रेरणा दिवस के रूप में मनाना चाहिए यदि हमें राष्ट्र का सही मायने में उत्थान करना हे तो गणतंत्र दिवस को कर्तव्य दिवस के रुप में मनाना चाहिए. उन्होंने बताया अगर नीति और नियत अच्छी होती है नियति स्वतः सकारात्मक हो जाती है. उन्होंने राष्ट्र के विकास में टेटरा (4 एस) के बारे में बताया. स्वच्छ भारत, स्वस्थ भारत, शिक्षित भारत और सुरक्षित भारत. उन्होंने कहा अगर यह सब व्यवस्था हिन्दुस्तान में हो जाये तो भारत को विश्वगुरु बनने से कोई नही रोक सकता. इस अवसर पर मुख्य अतिथि श्री देवेन्द्र गुप्ता जी ने सभी को गणतंत्र दिवस की बधाई दी और गणतंत्र दिवस की महता पर विचार रखते हुए कहा कि गणतंत्र दिवस पर 26 जनवरी को झंण्डा इसलिए फहराया गया कि आज़ादी से पूर्व 26 जनवरी, 1930 को राष्ट्र एकता के रूप में प्रथम बार तिरंगा झंण्डा फहराया गया. इस दिवस की

सार्थकता सही मायने में तब होगी जब हम राष्ट्र के दो पर्व 15 अगस्त और 26 जनवरी पर ही नही अपितु वर्ष के 365 दिन राष्ट्र के लिए समर्पित होकर कर्तव्य और अधिकारों का सामांजस्य बैठाकर जीवन जीने का संकल्प ले. कार्यक्रम का संचालन श्रीमती किरन आनन्द ने किया. अन्त में संभाग द्वितीय की प्रभारी डॉ0 उषा अग्रवाल ने सभी का धन्यवाद ज्ञापित करते हुए, कार्यक्रम के समापन की घोषणा. इस अवसर पर अग्रवाल कॉलेज प्रबन्ध समिति के उपप्रधान डॉ0 वासुदेव गुप्ता, प्रो0 एस.के. चक्रवर्ती, श्री दिनेश गुप्ता (एडवोकेट), डॉ0 दिनेश गुप्ता, श्री मंगत राम गुप्ता, श्री मूल चन्द्र गुप्ता एवं समिति के गणमान्य सदस्य और वरिष्ठ प्रवक्तागण उपस्थित थे.